सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-275
23/06/2017

राष्ट्रपति के चुनाव को कनफ्रंटेशन का मुद्दा बनाने की कोई आवश्यकता नहीं :– मुख्यमंत्री

पटना, 23 जून 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद यादव द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल हुये। इफ्तार से लौटने के क्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि बहुत ही सोच–समझकर श्री रामनाथ कोविंद को समर्थन करने का निर्णय लिया गया है। पार्टी के सभी सांसद, विधायक से विचार–विमर्श करने के बाद तथा पार्टी की कोर कमिटी की बैठक में इस बात का फैसला लिया गया और यह तरीका सुविचारित है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिक्रिया पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी है। श्री रामनाथ कोविंद जी से मिलकर उनके प्रति सम्मान प्रकट करते हुये और मैंने उनसे जो बात कहनी थी, उसके पहले ही हमारी श्री लालू प्रसाद यादव जी से बात हुयी थी। श्रीमती सोनिया गॉधी जी से दूरभाष पर बात हुयी थी और उसके बाद शाम तक श्री सीताराम येचुरी जी का भी फोन आया था और उनसे भी हमने अपनी भावना से अवगत कराया था। हमारी भावना बहुत स्पष्ट थी और इसकी वजह है कि श्री रामनाथ कोविंद जी की जो भूमिका बिहार के राज्यपाल के रूप में रही है, वह सराहनीय रही है। उन्होंने निष्पक्षता के साथ बिहार में काम किया और बिहार के राज्यपाल सीधे राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, यह भी एक प्रसन्नता की बात है। इससे पहले जाकीर हुसैन साहब बने थे किंतु वह पहले उप राष्ट्रपति बने थे, फिर राष्ट्रपति बने थे। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद तो बिहार के ही थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी के स्तर पर पूरे तौर पर विचार कर यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रपति पद का चुनाव हो रहा है और हम यह नहीं मानते कि इसे कोई मुद्दा बनाना चाहिये। हमलोग यह बात कॉग्रेस द्वारा विपक्षी दलों की बुलायी गयी बैठक में जाकर कह सकते थे किंतु उसके एक दिन पहले कॉग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री गुलाम नवी आजाद पटना आये थे। उन्होंने इस विषय पर अपनी राय इस प्रकार से स्पष्ट की कि मुनासीब नहीं लगा कि उस बैठक में जाकर अनावश्यक इस बात पर चर्चा की जाय। उन्होंने कहा कि पहले दिन जो मैंने भावना प्रकट की थी, उससे ऐसा लगा था कि बैठकर पूरे मन से बातचीत करते तो उसमें हमलोग अपनी बात रख सकते थे। उन्होंने कहा कि हम बात करते कि राष्ट्रपति के चुनाव को कनफ्रंटेशन का मुद्दा बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि 2019 के जीत की रणनीति बनानी चाहिये कि कैसे मुकाबला करेंगे। मैं समझता हूँ कि यह 2019 की जीत की रणनीति नहीं है बल्कि यह तात्कालिक रूप से हार की रणनीति है। इसका परिणाम सुस्पष्ट है, इसमें कोई शंका की गुंजाइश नहीं है और ऐसी स्थिति में जहॉ तक बिहार की बेटी का सवाल है तो मीरा कुमार जी के प्रति हमारा पूरा सम्मान है। सबसे बड़ी बात है कि बिहार की बेटी से मुझे भी गर्व की अनुभूति होती है। मंत्री एवं स्पीकर रहते हुये उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। इसमें कोई अलग राय नहीं है किंतु जो सबसे बड़ी बात है कि क्या बिहार की बेटी का चयन हारने के लिये किया गया है। बिहार की बेटी का चयन तो जीतने के लिये करना चाहिये था। इसके पहले दो बार अवसर मिला, उस समय तो बिहार की बेटी याद नहीं आयी और मेरी समझ से अब भी उनको पुनर्विचार करना चाहिये।

सचमुच बिहार की बेटी के प्रति सम्मान है तो 2019 में जीत की रणनीति बनाइये और 2022 में बिहार की बेटी को राष्ट्रपति बनाइये। अभी आप उम्मीदवार बना सकते हैं और यह उम्मीदवार तो हारने के लिये है। उन्होंने कहा कि बिहार की बेटी का चयन हारने के लिये है, जीतने के लिये तो चयन कीजिये। उन्होंने कहा कि हर पहलू पर सोच–समझकर निर्णय लिया है और जहॉ तक जदयू की बात है, ऐसे मसलों पर जदयू स्वतंत्र निर्णय लेती रही है। हमलोग जब एन0डी0ए0 में भी थे तो प्रणब बाबू के खिलाफ और हामिद अली अंसारी के खिलाफ बी0जे0पी0 द्वारा कुछ ऐसे बयान दिये गये थे कि एन0डी0ए0 में रहते हुये हमने उस पर ऐतराज किया और जब प्रणब बाबू यू0पी0ए0 के द्वारा राष्ट्रपति के उम्मीदवार घोषित हुये तो हमने यू0पी0ए0 को समर्थन दिया, यह नहीं भूलना चाहिये। राष्ट्रपति का पद राजनैतिक मुकाबले का पद नहीं है और इसमें कांसेंसस होता तो अच्छी बात है लेकिन इस विषय को मैं नहीं समझता हूॅ कि कोई वैसा प्रश्न बनाना चाहिये और यह बिहार की बेटी वाली बात हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने राष्ट्रपति के चुनाव के बारे में फैसला किया है। श्री रामनाथ कोविंद जी का नाम पहले सतापक्ष की ओर से घोषित किया गया लेकिन उनके नाम के प्रति हमलोगों को कोई ऐतराज नहीं था इसलिये हमलोगों ने समर्थन किया। सब लोग राय रखने के लिये स्वतंत्र हैं। जहॉ तक बिहार के महागठबंधन का सवाल है तो ये बिहार के महागठबंधन का कोई मुद्दा नहीं है। यह तो एक पार्टी को निर्णय लेना है, अलग–अलग पार्टियॉ निर्णय लेती है। मैं नहीं समझता हूॅ कि इसको कोई राजनीति से लेना–देना है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की यूनिटी जरूर करनी चाहिये और विपक्ष की यूनिटी तैयार कर 2019 की जीत की रणनीति तैयार करनी चाहिये। शुरूआत ही आपने हार की रणनीति से कर दिया है। जीत की रणनीति बनाइये। ये कौन सी रणनीति है कि जिसका परिणाम क्या होगा, सबको मालूम है। ऐसी रणनीति को मैं बहुत व्यवहारिक नहीं मानता। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री रामनाथ कोविंद मूलतः आर0एस0एस0 के व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने अपनी कैरियर की शुरूआत स्व0 मोरारजी देसाई जी के साथ किया, बाद में वे बी0जे0पी0 में गये और राज्यसभा के सदस्य रहे। सबसे बड़ी बात है कि राज्यपाल के रूप में उनकी जो भूमिका है, वह निष्पक्ष भूमिका है और इसलिये मुझे ऐसा लगा और बिहार का राज्यपाल राष्ट्रपति बने, यह मुझे बिहार के सम्मान में दिखायी दिया। उन्होंने कहा कि हम दूसरे व्यक्ति के सोच के बारे में नही बोल सकते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसने क्या कहा, इस पर मुझे कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी है। उन्होंने कहा कि लालू जी से आज सुबह में भी हमारी बातचीत हुयी है। जब 17 पार्टी एक साथ बैठी है तो एक फर्ज बनता है कि अपील करेगी। इन बातों में बहुत राजनीति देखने की आवश्यकता नहीं है। हम इसे कोई राजनैतिक टकराव का मुद्दा नहीं मानते। उन्होंने कहा कि इसका राजनीति से कोई रिश्ता नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि 2019 की जीत की रणनीति अपनाने के बजाय हार की रणनीति से शुरू ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आरोप–प्रत्यारोप की बात नहीं करते, आगे भी ऐसी रणनीति बनानी चाहिये, जो कारगर हो। राष्ट्रपति चुनाव के मुद्दे का संबंध कहीं से भी राज्यस्तरीय एलायंस से नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कोई ऐसा गठबंधन नहीं बना है, जिसमें जदयू हो। राज्य स्तर पर महागठबंधन जरूर है और बहुत ही कारगर है। जो जनादेश है, उस हिसाब से हमलोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर दल का अपना अस्तित्व है। जब तक राष्ट्रीय स्तर पर कोई एलायंस नहीं बनता है, मैं समझता हूॅ कि कोई कारगर बात नहीं हो सकती।

******